

माजा पर ताबड़तोड़ इजरायली हमले, 57 की मौत
पेज 12

$$K +$$

बस चालक ने
कार में मारी

से गुहार लगाता

शाह दासजी ब्यूरा
हल्द्वानी पुलिस की उन्नाई से शूथ्य सडक हादसे के एक पीडित नर अोर अोर, कटौल रुम अोर
व्यापिकारिय के वक्कर काटने के बाद भी न्याय नही पाया, तो अदालत की राण ली। अर न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज अकनई। जानकार के अनुसार अकनई व्हार कालोनी नवसारी अर आशिय पिपटरी ने न्यायालय में दाखिल प्रार्थना पत्र में बताया कि 11 नवंबर 2023 की रात वत अपराध के अउरु माया के छोड़ कर कठपरिया जा रहें थे। रास्ते में बल्कि ऑफिस के पास भीड़वाड़ वाले क्षेत्र में रामनगर डिपो की एक रोडवेज नर ने उअर। गिर और लापरवाही से कार में

[illegible]

लान श्याम सिंह नेत्री द्वारा किया गया सम्मेलन में युक्ती की संस्थापक सदस्य खड़क सिंह बागुवाड़ संसदीय बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर कापड़ी, वरिष्ठ आलोनकार गौरी मोहनी देवी गौरी कंदीय संगठन मंत्री भुवन बिष्ट, दल की पूर्व अध्यक्ष भुवन जोशी, नाराध्य हरीश जोशी, युक्ती की सलाहकार प्रमोद पांडे, नवीन ममाणी, लोकेश वर्मा, मोहन कांडावाल, काजल खत्री, कंचन जोशी, बंसी सिंह बिष्ट, हरिष कांडीय, महेता तिवारी, एनडी तिवारी, हरीश पांडे, उमा चौहान महेश पंत, कमल पंत सहित का युक्ती कार्यपालक मीतुद देव

आट सूत्रीय मांगों को लेकर अर्थशास्त्र में अनिश्चितकालीन घटना आँवोल-भरनास्थित पर मुख्य वस्तु के रूप में उपद के पूर्व सदस्य एजोरो के केलारा-संघोषों में कहल कि बायालस-वारी मालिक-पूरी तरह हकदार हैं-उन्होंने कहा यहाँ के लोगों-बिना लोगों ने अपनी पूरी जिंजीगी का स्थायी रूप से रहने और खिसे ने-चाहिए। घरने में आनन्द रखिने ने-प्रकाश। घरने, दीला सिंह कुजवाल-हक बगली, डा. केलारा पाण्डेय, जे-गिरी, कमल, जानकी बिष्ट, देवकी-रह रहे।

बेतालघाट में गांजा तस्कर दबोचा

मार्ग पर रातोड़ा पुल से लगभग 100 मीटर पहले ही घेराबंदी कर दी गई है। दबाव का लिय। लालशी के दौरान उसके पास से 4 किलो 880 ग्राम गांजा बरामद हुई। पकड़े गए तस्क़र ने अपना नाम दीपक उर्फ दीपक दिवाकर निवासी पंजाबी कालोनी गुल्तरवटदीठा थाना रामनगर बताया। टीम ने गांजा तस्क़री में प्रयुक्त बाइक को सीज करके हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहाँ से उसे जेल भेज दिया। टीम में एसआई हरी राम, कांटेबल दीपक सिंह रावत, दीपक सिंह मारोती दीपक सिंह

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुबह चूनी, मेंट रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डारी, प्रमोद तेल काला गौरी रोड, हल्द्वानी (उतरखण्ड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
‘कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बन्ना ‘सुमन’
☎05946-250286
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTIHIN203/10264
www.shahitimesnews.com
email:shahitimes2015@gmail.com

‘रतु अंक में प्रकाशित श्रवण श्रवणों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एवं अंशित श्रवणों हेतु सत्यन विद्युत मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होगी।

एक नजर

समयकों के बाद प्रतापीय महिलाओं का दो दिनी प्रतीक ही टारा रात को कई बर्षों पर ओझा-चंचरी को भी आगबोजन लगाए। पालीकों समेत अन्य इलाकों के भी मन आँखों के साथ गीता-महेक के इफरों का विखनन किया गया। इसपर, महिलाओं ने नसाह-अनुरूप कई के तीसरे दिने नसाह-महेक के पूजा के तीसरे दिने गंगालिक गीता गीत शानु ओझर मया। इस दिने शिव शंकर केन केलाश।

सात्विक-चिराग ने जीता कांस्य पदक



● सात्विक और चिराग ट्रेडी को चीन के चेन बोयांग और लियूयी ने 19-21, 21-18 व 12-21 से हराया

पेरिस, वार्ता। भारतीय बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकोरेड्डी और चिराग शेट्टी को बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल सेमीफाइनल में हारने के बाद

कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। शनिवार को एक घंटे सात मिनट तक चले मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त सात्विकसाईराज रंकोरेड्डी और चिराग शेट्टी को चीन के चेन बोयांग और लियूयी ने 19-21, 21-18, 12-21 से हराया। विश्व चैंपियनशिप में सात्विक-चिराग की जोड़ी का यह दूसरा कांस्य पदक है। इससे पहले

सात्विक-चिराग ने टोक्यो में 2022 में हुई बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में भी कांस्य पदक जीता था। भारतीय जोड़ी ने मैच की अच्छी शुरुआत की और 4-0 की बढ़त बना ली। मिड-गेम ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बनाए रखी। लेकिन इसके बाद चीनी जोड़ी ने वापसी की और 14-13 की बढ़त हासिल कर ली और इस बढ़त को बरकरार रखते हुए पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में, सात्विकसाईराज रंकोरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 5-1 की बढ़त हासिल की, लेकिन चीनी जोड़ी ने इसे 11-9 कर दिया। लेकिन एक बार फिर सात्विक और चिराग ने अपनी पकड़ को मजबूत किया और 16-11 से बढ़त बना ली। इसके बाद चेन बोयांग और लियूयी ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया, लेकिन 32 शॉट की रोमांचक रैली ने सात्विक-चिराग को गेम ज्वाइंट दिलाया और मैच को निर्णायक तक पहुंचाया। निर्णायक मुकाबले में, चेन बोयांग और लियूयी ने वापसी करते हुए 9-0 की बढ़त बढ़त बना ली और भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

युकी भांबरी अगले दौर में, बोपन्ना बाहर

● यूएस ओपन ● रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार मोनाको के रोमेन अर्नेडो पुरुष युगल के पहले दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर

न्यूयॉर्क, वार्ता। भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के माइकल वीनस की जोड़ी ने अमेरिका के मार्कोस गिरोन और लर्नर टिएन को हराकर यूएस ओपन पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। वहीं अनुभवी रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार मोनाको के रोमेन अर्नेडो को पुरुष युगल के पहले दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। शनिवार रात एक घंटे एक मिनट तक चले मुकाबले में भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के माइकल वीनस को 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने अमेरिका के मार्कोस गिरोन और लर्नर टिएन की जोड़ी को 6-0, 6-3 से हराकर पुरुष युगल के दूसरे दौर में



प्रवेश किया। भारतीय टेनिस खिलाड़ी भांबरी और माइकल वीनस सोमवार को दूसरे दौर में कोलंबिया के गॉजालो एस्कोबार और मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला से भिड़ेंगे। इसी बीच रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार मोनाको के रोमेन अर्नेडो को रॉबर्ट कैश और जेम्स ट्रेसी की अमेरिकी जोड़ी ने 6-4, 6-3 से हराया। इसी हार के साथ बोपन्ना टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दूसरी ओर, अर्जुन काधे और उनके जोड़ीदार इक्वाडोर के डिएगो

हिडालगो क्रोएशिया के मेट पाविक और अल सलवाडोर के मार्सेलो एरेबालो से तीन सेटों में हारकर यूएस ओपन से बाहर हो गए। अर्जुन काधे और डिएगो हिडालगो ने पहले सेट के 12वें गेम में ब्रेक प्वाइंट हासिल कर पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन दूसरा सेट टाई-ब्रेक में हार गए। निर्णायक सेट के 10वें गेम में भारतीय-इक्वेडोर की जोड़ी की सर्विस एक बार फिर टूटी और उन्हें 5-7, 7(7)-6(4), 6-4 से हार का सामना करना पड़ा।

हरारे वनडे में धीमी ओवर गति के लिए श्रीलंका पर जुर्माना दुबई, वार्ता। हरारे में हुए पहले एकदिवसीय में धीमी ओवर गति के लिए श्रीलंका पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। यह जुर्माना मेहमान टीम पर आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2-22 के अनुसार, निर्धारित समय सीमा से एक ओर कम फेंकने पर एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के जेफ क्रो द्वारा लगाया गया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2-22 न्यूनतम ओवर गति के अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

खेल विशेष टाई-ब्रेकर्स आपके धैर्य की परीक्षा लेते हैं, और वहीं हम मैच जीते: सुनील विशाखापट्टनम, वार्ता। प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 में यू मुम्बा के कप्तान सुनील कुमार ने टाई-ब्रेक प्रारूप की सराहना करते हुए कहा कि यह आपके धैर्य की परीक्षा लेते हैं, और वहीं हमें जीत तक ले गया। यू मुम्बा ने अपने अभियान की शुरुआत रोमांचक जीत के साथ की। गुजरात जायंट्स के खिलाफ मुकाबला 29-29 की बराबरी पर खत्म हुआ, जिसके बाद टाई-ब्रेकर में यू मुम्बा ने 6-5 से बाजी मारी। विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में हुआ यह मैच सीजन के शुरुआती तीन मुकाबलों में दूसरी बार नए टाई-ब्रेकर नियम तक पहुंचा, जिसने दर्शकों को आखिरी रेंड तक रोमांचित रखा। कप्तान सुनील कुमार ने टाई-ब्रेकर प्रारूप की सराहना करते हुए इसे रोमांचक और स्वागत योग्य बदलाव बताया। सुनील ने मैच के बाद कहा, हटाई-ब्रेकर में सबसे जरूरी है शांत रहना। ऐसे पलों में आपको अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करना होता है और दिमाग से खेलना होता है। वही धैर्य हमें आज जीत तक ले गया। गुजरात के स्टार डिफेंडर मोहम्मदरेजा शादलुई के साथ टाई-ब्रेकर में हुए अहम पल पर सुनील ने कहा कि वह बेहद तीखा मुक। बला था। उन्होंने मुझसे अंक लेने की कोशिश की, लेकिन ऐसे मौकों पर अनुभव काम आता है। ऐसे मैच दिखाते हैं कि कैसे मामूली अंतर से नतीजा तय होता है। टीम के पहले मैच में मिली कड़ी जीत को अहम बताते हुए सुनील ने कहा कि टाई-ब्रेकर में ओपनिंग मैच जीतना टीम में विश्वास जगाता है। यह हमारी टीम की ताकत और एकता को दर्शाता है और हमें लंबे सीजन के लिए आत्मविश्वास देता है। लीग अभी शुरू हुई है, लेकिन यह जीत हमारे लिए सही लय सेट करती है।

भारतीय टीम एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में लगातार दो जीत के साथ सुपर-4 में भारत

जापान की हॉकी टीम को 3-2 से हराया, कप्तान हरमनप्रीत ने 2 गोल दाने, नंबर-1 पर पहुंची टीम

राजगीर, वार्ता। भारतीय टीम एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सुपर-4 में प्रवेश कर गई है। टीम ने रविवार को जापान पर 3-2 की जीत हासिल की। इस जीत ने टीम इंडिया को पूल ए पाइंट्स टेबल में नंबर-1 पोजिशन पर पहुंचा दिया। राजगीर के बिहार यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के मैदान पर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 2 गोल दाने। उन्होंने 5वें और 45वें मिनट में पेनल्टी कानर पर गोल दागा। वे मौजूदा सीजन के टाप स्कोरर हैं। हरमनप्रीत ने पिछले मुकाबले में चीन के खिलाफ गोल की हैट्रिक लगाई थी। तीसरे क्वार्टर में जापान की टीम ने वापसी की। किमुरा नारू के पास

तीसरे ही मिनट में मंदीप सिंह ने भारत को बढ़त दिला दी। बाएं फ्लैंक से सुखजीत ने शानदार मूव बनाया। उन्होंने गेंद पकड़ी, घुमें और लाइन के साथ दौड़ते हुए गोल के सामने तेज क्रास मारा। वहीं मौजूद अनुभवी स्ट्राइकर मनदीप सिंह ने गेंद को ट्रैप किया और आसानी से नेट में डाल दिया। 5वें और 45वें मिनट में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कानर पर गोल दागा। वे मौजूदा सीजन के टाप स्कोरर हैं। हरमनप्रीत ने पिछले मुकाबले में चीन के खिलाफ गोल की हैट्रिक लगाई थी। तीसरे क्वार्टर में जापान की टीम ने वापसी की। किमुरा नारू के पास

आखिरी मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। स्टार कप्तान हरमनप्रीत सिंह को यलो कार्ड मिला। 58वें मिनट कावाबे ने दूसरा गोल किया। बाल लगभग बेसलाइन पार करने वाली थी, लेकिन कावाबे ने उसे शानदार तरीके से ट्रैप किया। इसके बाद उन्होंने जर्मनप्रीत के पास से गिरते हुए गेंद गोल पोस्ट में डाल दिया। 58वें मिनट में जापान को पेनल्टी कानर, भारत ने रेफरल गंवैया। 58वें मिनट में जापान को पेनल्टी कानर मिला। लेकिन भारतीय डिफेंडर्स ने शानदार बचाव किया। अगले ही मिनट में भारतीय टीम ने काउंटर अटैक किया।



नॉर्थ जोन और सेंट्रल जोन दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

बेंगलुरु, वार्ता। नॉर्थ जोन और सेंट्रल जोन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विशाल बढ़त के आधार पर रविवार को दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बना ली। नॉर्थ जोन ने दो विकेट पर 388 रन से आगे खेलना शुरू किया। यहां सुबह कप्तान अंकित कुमार और आयुष बदोनी अपनी टीम को बड़े स्कोर की ओर ले गए। इसी दौरान 444 के स्कोर पर मुख्तार हुसैन ने दो. हरे शतक की ओर बढ़ रहे अंकित कुमार को आउटकर पवेलियन भेज दिया। अंकित कुमार मात्र दो रन से अपना दोहरा शतक चूक गए। उन्होंने 321 गेंदों में 19 चौके और एक छक्का लगाते हुए 198 रनों की पारी खेली। इसके बाद चौथे विकेट के रूप में निशांत लसधु (68) रन बनाकर आउट हुये। नॉर्थ जोन ने आयुष बदोनी का दोहरा शतक बनने के बाद 146.2 ओवर में चार विकेट पर 658 के स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर दी। नॉर्थ जोन ने ईस्ट जोन के खिलाफ 833 रनों की विशाल बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। आयुष बदोनी 223 गेंदों में 13 चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 204 रन बनाये। कन्हैया वधावन 23 रन बनाकर नाबाद रहे। नॉर्थ जोन ने पहली पारी में 405 रन बनाये। वहीं दूसरी पारी चार विकेट पर 658 के स्कोर पर घोषित की। अपनी पहली पारी में 230 रन बनाये और दूसरी में वह बल्लेबाजी नहीं कर पायी।

ज्वेरेव को हराकर फेलिक्स यूएस ओपन के चौथे दौर में



न्यूयॉर्क, वार्ता। कनाडा के स्टार टेनिस खिलाड़ी फेलिक्स ऑंगर अलियासेम ने अपने करियर के एक बार में फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीसरी वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर यूएस ओपन 2025 के चौथे दौर में जगह बना ली है। लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए मुकाबले में 25 वीनस ने फेलिक्स ऑंगर अलियासेम ने ज्वेरेव को 4-6, 7-6(7), 6-4, 6-4 से हराने के

लिए आक्रामक मास्टरक्लास का प्रदर्शन किया। उन्होंने 23 फोरहैंड सहित 50 विनर्स के साथ जीत दर्ज की। वर्तमान में 27वें स्थान पर काजिज ऑंगर-अलियासेम ने अब तक शीर्ष पांच प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी पहली ग्रैंड स्लैम जीत दर्ज की है। वह अपने पिछले 11 प्रयासों में केवल दो बार किसी स्लैम के अंतिम 16 में पहुंचे हैं और क्वार्टर फाइनल में उनका सामना 15वीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलैव से होगा।

खेल की दुनिया में जम्मू-कश्मीर को मिली पहचान: प्रधानमंत्री



नई दिल्ली, वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बाढ़ और तबाही की घटनाओं के बीच जम्मू-कश्मीर में हाल में खेलों के दो बड़े आयोजन हुए हैं जिन्होंने राज्य को खेलों की दुनिया में नई पहचान दी है। मोदी ने आकाशवाणी से रविवार को प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 125वीं कड़ी में कहा कि बाढ़ और बारिश की इस तबाही के बीच जम्मू-कश्मीर ने दो

बहुत खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इन पर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं गया लेकिन जब इन उपलब्धियों के बारे में जानेंगे तो बहुत खुशी होगी। राज्य के पुलवामा के एक स्टेडियम में पुलवामा का पहला डे नाईट क्रिकेट मैच खेला गया जिसमें रिकार्ड संख्या में लोग एकत्रित हुए। पहले ऐसा होना असंभव था लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है। ये मैच 'रायल प्रीमियर लीग' का हिस्सा है, जिसमें जम्मू-कश्मीर की अलग-अलग टीमों खेल रही हैं। इतने सारे लोग, खासकर युवा, पुलवामा में रात के समय, हजारों की तादाद में क्रिकेट का आनंद लेते दिखें-ये नजारा वाकई देखने लायक था। श्री मोदी ने राज्य के एक और खेल आयोजन का जिक्र करते हुए कहा दूसरा आयोजन जिसने ध्यान खींचा, वो है देश में हुआ पहला 'खेलो इंडिया जल स्पोर्ट्स उत्सव' और वो भी श्रीनगर की डल झील पर हुआ।

शहडोल जिले के फुटबॉल खिलाड़ी प्रशिक्षण लेने जाएंगे जर्मनी: मोदी

नई दिल्ली, वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश में छिपी खेल प्रतिभाओं पर पूरी दुनिया की नजर है और इससे गौरवान्वित होने की जरूरत है। श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि आज पूरी दुनिया का ध्यान भारत की तरफ है। उन्होंने मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के एक गांव के प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ियों का जिक्र किया।

24 घंटे बाद भी नहीं बिके भारत-पाक मैच के टिकट

● टिकट बिकी के पैकेज सिस्टम के चलते फैंस को 7 मैचों का पैकेज लेना पड़ रहा, कीमत 33 हजार से 3 लाख तक

दुबई, वार्ता। किसी भी क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट सबसे जल्दी बिक जाते हैं, लेकिन, 14 सितम्बर को एशिया कप में होने वाले भारत-पाक मुकाबले के टिकट बिकी की शुरुआत के 24 घंटे बाद भी बचे हुए हैं। कारण है, टिकट बिकी का पैकेज सिस्टम। भारत-पाक मैच के टिकट खरीदने के लिए दर्शकों को 7 मैचों का पैकेज लेना पड़ रहा है। सबसे सस्ता पैकेज 33 हजार 600 रुपए का है। जबकि बैंड लाउंज पैकेज की कीमत 3 लाख 12 हजार रुपए है। इस बार 7 मैच के पैकेज में भारत-यूएई, भारत-पाक, बी-बी2, ए1-ए2, ए1-बी2, ए1-बी1, और फाइनल मैच शामिल हैं। यानी बाकी मुकाबलों

की तुलना में भारत-पाक मैच देखने के लिए दर्शकों को ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। आयोजक भारत-पाक मैच के जरिए अन्य मैचों में भी दर्शकों को आकर्षित करना चाह रहे हैं, इसलिए उन्होंने यह पैकेज सिस्टम लागू किया है। एशिया कप में कुल 12 ग्रुप मैच होने हैं। इनमें से 11 मैचों के टिकट आम तौर पर 1200 रुपए (जनरल) से लेकर 12 हजार रुपए (ग्रैंड लाउंज) तक उपलब्ध हैं। भारतीय फैन रविकान्त का कहना है कि उनके ऑफिस में कई लोग महंगे पैकेज की वजह से टिकट नहीं ले पाए। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि मैच के करीब आते-आते सिर्फ भारत-पाक का टिकट भी उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, पाकिस्तानी प्रशंसक हसन अब्बास ने बताया कि टिकट पैकेज देखकर पहले निराशा हुई, लेकिन क्वालिफायर और फाइनल मैच 7 मैचों की डील खराब नहीं है।

पाक टीम जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए भारत आएगी

हॉकी इंडिया बोला: पाकिस्तान ने टीम भेजने पर सहमति दी, 28 नवम्बर से टूर्नामेंट

नई दिल्ली, वार्ता। जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की टीम भारत आएगी। हॉकी इंडिया को महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, पाकिस्तान ने तमिलनाडु में होने वाले इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए अपनी जूनियर टीम भेजने पर सहमति दे दी है। वर्ल्ड कप तमिलनाडु के मदुरई और चेन्नई में 28 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक खेला जाएगा। दूसरी ओर, भारत में चल रहे सीनियर हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम ने भारत आने से मना कर दिया था। वहां की सरकार ने सुरक्षा कारणों से अपना नाम वापस लिया था। भारत ने 2023 में चौथी बार जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को ही 2-1 से हराया था। भारत-पाकिस्तान पूल बी में हॉकी एशिया कप से पाकिस्तान के हटने के बाद, जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता थी। हालांकि, अब कन्फर्मेशन के बाद टूर्नामेंट तय शेड्यूल पर हो सकेगा। भारत और पाकिस्तान को चिली और स्विट्जरलैंड के

साथ पूल बी में रखा गया है। महासचिव ने पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन से बात की टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर महासचिव भोला नाथ ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के साथ बातचीत की। वे टूर्नामेंट के लिए अपनी जूनियर टीम भारत भेजेंगे। नाथ ने मीडिया से कहा कि पाकिस्तान ने सहमति दी है कि वे अपनी जूनियर हॉकी टीम को वर्ल्ड कप में खेलने के लिए भेजेंगे, जो चेन्नई और मदुरई में होगा। पाकिस्तान को एशिया कप खेलने आना चाहिए था- असलम शेरखान भारतीय हॉकी के दिग्गज असलम शेरखान ने एशिया कप में पाकिस्तान को न आने पर कहा, टीम को टूर्नामेंट में हिस्सा लेना चाहिए था। भारत में डरने की कोई बात नहीं है। देश खेल और संस्कृति के मामले में बहुत अच्छा है। यहां सुरक्षा में चूक का सवाल ही नहीं। पाकिस्तानी टीम ने बिहार के राजगीर में चल रहे सीनियर एशिया कप में भारत आने से मना कर दिया था। टीम ने सुरक्षा कमी को कारण बताया था। 21 सितम्बर को भारत सरकार ने मस्टीनेशनल टूर्नामेंट में खेलने की इजाजत दी पिछले हफ्ते, भारत सरकार ने नई स्पोर्ट्स पालिसी में पाकिस्तान के साथ मस्टीनेशनल टूर्नामेंट में भारत को खेलने की इजाजत दी थी।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

सोमवार , 1 सितम्बर 2025

चीन में मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन के शहर तियानजिन में हैं। यह शिखर सम्मेलन 31 अगस्त से एक सितम्बर तक चलेगा। इस शिखर सम्मेलन में 20 से ज्यादा देश हिस्सा ले रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ-साथ सेंट्रल एशिया, साउथ एशिया, साउथ ईस्ट एशिया के नेता भी यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब टैरिफ को लेकर भारत व अमेरिका के बीच ही नहीं बल्कि अन्य देशों के साथ भी अमेरिका से तनाव बना हुआ है। स्वाभाविक है कि इस पर अमेरिका सहित तमाम यूरोपीय देशों की नजर लग गई। हालांकि यूरा. पीय देश भी अमेरिका के टैरिफ से पीड़ित हैं, लेकिन फिर भी वह अमेरिका से दूरी बनाकर ज्यादा देर तक टिके नहीं रह सकते। जाहिर है ऐसे में शिखर सम्मेलन के सदस्य एक दूसरे के अधिक निकट आएंगे ही और वह आते भी दिखाई दे रहे हैं। शिखर सम्मेलन से इतर रविवार को चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग से पीएम मोदी की मुलाकात लगभग 50 मिनट तक चली, बताती है कि चीन व भारत अब पिछली बातों को भुलाकर आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। चीन के राष्ट्रपति ने भी पीएम मोदी से मिलकर खुशी जताई और कहा कि ड्रैगन यानि चीन और हाथी यानि भारत को साथ आना चाहिए। पीएम मोदी ने जिस तरह जिनपिंग के सामने आतंकवाद का मुद्दा उठाया उससे साफ है कि भारत आतंकवाद को लेकर कोई समझौता नहीं करेगा। मोदी का यह कहना सही है कि आतंकवाद आज किसी एक देश की समस्या नहीं है बल्कि वैश्विक समस्या है। इसलिए चीन को भी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साथ देना चाहिए, जाहिर है जब मोदी ऐसा कह रहे थे तो अप्रत्यक्ष रूप से चीन का ध्यान पाकिस्तान की ओर यह याद दिलाने के लिए कह रहे थे कि वहां पर पल रहे आतंकवादियों का वह बचाव न करें, क्योंकि विदित है कि कई अवसरों पर चीन ने पाकपरस्त आतंकवादियों का बचाव किया है। वह भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर। अभी यह तो कहना जल्दबाजी ही होगा कि शंघाई शिखर सम्मेलन से क्या निकलकर बाहर आता है, क्योंकि यह तो तभी सामने आएगा जब सम्मेलन की समाप्ति के बाद साझा एजेंडा सामने आएगा, लेकिन एक बात साफ है कि जिस तरह बड़ी संख्या में राष्ट्यों के राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल हो रहे हैं, वह अमेरिका के लिए एक तरह से खुली चुनौती जैसा है। यह शिखर सम्मेलन यही बताता है कि डोनाल्ड ट्रम्प की दूसरे देशों को धमकाने की तमाम कोशिशें नाकाम होती जा रही हैं। इरान, मिश्र, म्यांमार, नेपाल जैसे देश न सिर्फ इसमें हिस्सा ले रहे हैं बल्कि पीएम मोदी इनके नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। अमेरिका को समझना होगा कि टकराव के रास्ते से कुछ हासिल नहीं होने वाला। यूं भी व्यापार को राजनीति से अलग रखना चाहिए, लेकिन ट्रम्प किसी को सुनने के लिए तैयार नहीं हैं और सनकभरे फैसेले ले रहे हैं। जाहिर है इससे दुनिया में तनाव ही बढ़ेगा।

बिहार में अकेले चलेगी बसपा

बसपा बिहार में अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी, आने वाले दिनों में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा, बिहार एक बड़ा राज्य है और इसीलिए वहां की ताजा जरूरतों को देखते हुए राज्य की सभी विधानसभा सीटों को तीन जोन में बांट कर पार्टी के वरिष्ठ लोगों को अलग-अलग से उसकी जिम्मेदारी सौंपने का फैसला भी लिया गया, बिहार में पार्टी की अपनी तैयारी के साथ-साथ वहां राज्य के तेजी से बदलते हुए राजनीतिक हालात एवं चुनावी समीकरण आदि को देखते हुए पार्टी द्वारा चुनाव में बेहतर रिजल्ट लाने का आश्वासन पार्टी के लोगों ने दिया है।



—**सुश्री मायावती**
राष्ट्रीय अध्यक्ष, बसपा

सहारनपुर से करीब 5 किमी दूर सहारनपुर-गंगोह मार्ग पर एक गांव है मानकमऊ, जो शहर से मिला हुआ है, जहां पराक्रमी गुग्गावीर की समाधि बनी हुई है जो म्हाड़ी के नाम से विख्यात है। हर वर्ष भादो शुक्ल दशमी को सैकड़ों वर्षों से गुग्गावीर की स्मृति में गुघाल नाम से भव्य मेला लगता चला आ रहा है, जिसमें लाखों की संख्या में लोग आते हैं और मन्तर्त मांगते हैं और निशान चढ़ाते हैं। लंबे बांस पर कपड़ा लिपटा हुआ यह निशान गुग्गावीर की विजय पताका का प्रतीक माना जाता है। इस मेले का सबसे अधिक महत्व यह है कि ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में गुग्गा के राष्ट्र वेदी पर हुए बलिदान व उनके प्रति सभी धर्मावलंबियों की मान्यता होने के कारण उनकी स्मृति में लगने वाला यह मेला हिन्दू मुस्लिम राष्ट्रीय एकता व सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक बन गया है। इस मेले की पूरी व्यवस्था नगर निगम सहारनपुर करती है और नगर वासियों तथा बाहर से आए नागरिकों की सुविधा के लिए गंगोह मार्ग रेलवे फाटक इंदगाह के आसपास भव्य बाजार सजाए जाते हैं, जिसमें दूसरे जनपदों के व्यापारी आकर अपनी दुकानें सजाते हैं।

गोगावीर ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जाहरवीर दीवान को लेकर क्षेत्र में अनेक किंवदंतियां हैं। कहा जाता है कि सिरसा पारत राजस्थान के राजा कुंवरपाल की दो लड़कियां थीं। बाछल व काछल, बाछल ने गुरु गोरखनाथ गोरख की वर्षों प्रार्थना कर जब संतान का वरदान चाहा तो उनकी बहन काछल ने रात्रि में गुरु गोरखनाथ के पास पहुंचकर पुत्र प्राप्ति की प्रार्थना की एक रानी बाछल व काछल के हमशक्ल होने की वजह से गुरु गोरखनाथ ने काछल को रानी बाछल समझ कर दो पुत्र होने का आशीर्वाद दिया। काछल के लौटने के बाद जब रानी बाछल के पास पहुंची तब तक उनका डेरा उखड़ चुका था। रानी बाछल ने गुरु गोरखनाथ का पीछा कर उन्हें गद्दी पर पा लिया तथा गुरु से अपनी सेवा का हल चाहा। शिव का अवतार समझे जाने वाले गुरु गोरखनाथ ने जब रानी बाछल से कहा कि बीती रात तुन्हें पुत्र प्राप्ति का आशीर्वाद दे चुका हूं तो रानी बाछल ने उत्तेजित होकर उन्हें झूठा करार दिया। इस पर गुरु ने शिव का ध्यान किया तो बाछल रानी काछल के वेश में उनकी छोटी बहन उन्हें चकमा दे गई। रानी बाछल की मनोकामना पूरी करने के लिए गुरु गोरखनाथ अपनी योगिक शक्तियों के सहारे झूमने लगे आखिर उन्हें भगवान शिव के पास गुगुगल मिली। गुरु गोरखनाथ ने रानी बाछल को गुगुगल देकर कहा कि तुम इसको धूप देना जिससे पुत्र प्राप्त होगा तथा तुम्हारी बहन ने धोखा देकर पुत्र

मन्ज्तें मांगने और निशान ‘नेजा’ चढ़ाने दूर-दराज से आते हैं लाखों लोग

हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रतीक है मेला गुघाल

गोगा पीर लोगों की है आस्था का केंद्र



प्राप्त किए हैं उनका वध नहीं करेगा। गुरु गोरखनाथ के आशीर्वाद से बाछल ने गुग्गा व काछल ने अर्जन व सर्जन को जन्म दिया। संपत्ति और धन के बंटवारे को लेकर हुए युद्ध में अर्जन सर्जन मारे गए। बाछल का पुत्र गुग्गा युद्ध समाप्ति पर अर्जन व सर्जन का सिर लेकर अपनी मां रानी बाछल के पास पहुंचा। अर्जन और सर्जन की मौत का समाचार सुनकर रानी बाछल अर्चभित रह गई तथा उसने अपने पुत्र गुग्गा का मुंह न देखने का प्रण लिया। अपनी मां के प्रण को निभाने के लिए गुग्गा जंगल में चला गया, लेकिन रात्रि में छुपकर अपनी पत्नी के पास आया जाया करता था। गुग्गा की पत्नी के श्रंगार को देखकर जब रानी बाछल ने गुग्गा के बारे में पूछा तो उसकी पत्नी ने कहा कि रात में आते हैं लेकिन आते समय नहीं दिखाऊंगी जाते समय दिखाऊंगी।

अगली रात्रि जब गुग्गा अपनी पत्नी के पास से लौट रहा था तो रानी बाछल उसके पीछे दौड़ पड़ी। मां को पीछे आते देख गुग्गा बागड़ देश के जंगल

में जा छुपा। जंगल में प्रकट होकर गुरु गोरखनाथ ने जहां गुग्गा को पीरी दी ही पर बाद में म्हाड़ी बना दी गई। बताया जाता है कि एक बार गुग्गावीर जब घूमते हुए सहारनपुर आए तो उन्होंने गंगोह रोड पर जोहड़ से कुछ लोगों को मछली मारते हुए देखा गुग्गावीर ने जब इनसे पूछा तुम यह क्या कर रहे हो तथा झोले में क्या है उन्होंने कहा कि हम मछलियां मार रहे हैं तथा हमारे झोले में भी मछलियां ही हैं। इस पर गुग्गावीर ने उनसे कहा कि तुम्हारे झोले में मछलियां नहीं हैं झांक कर देखो, उन लोगों ने अपने झोले में झांका तो उनमें सांप ही सांप नजर आए।

गुग्गावीर के चमत्कार को देखकर उनके पैरों में गिर पड़े। उनकी प्रार्थना से खुश होकर गुग्गावीर ने उन्हें अपना प्रतीक नेजा भेंट किया तथा प्रति वर्ष मेला आयोजित करने को कहा। संबंधित परिवारों ने जब इसमें रूचि नहीं ली तो एक घरेलू नौकर कबली भगत ने नेजे का ग्रहण कर लिया तब से प्रतीक नेजा उसके परिवार के पास ही है।

भारत में सत्ता परिवर्तन और आधुनिक युग

1857 की क्रांति भारतीय इतिहास में एक ऐसा मोड़ थी जिसने अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिला दी। यह विद्रोह केवल एक सैनिक आंदोलन नहीं था बल्कि किसानों, कारीगरों, शासकों और आम जनता की सम्मिलित पीड़ा और असंतोष का विस्फोट था। ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को केवल अपने व्यापार का क्षेत्र माना, उसकी नीतियां पूरी तरह शोषणकारी थीं। कर वसूली, जमींदारी, किसानों की बदहाली, देसी उद्योगों का विनाश और सांस्कृतिक उपेक्षा इन सबने मिलकर भारतीय समाज को असंतोष से भर दिया। 1857का गदर इसी असंतोष का परिणाम था। अंग्रेज इस क्रांति को दबाने में सफल तो हुए, लेकिन उन्होंने एक गहरी सीख ली कि केवल शोषण के बल पर भारत जैसा विशाल देश नियंत्रित नहीं किया जा सकता।

यही कारण था कि 1 सितंबर 1858 को एक ऐतिहासिक परिवर्तन हुआ। इस दिन महारानी विक्टोरिया की घोषणा के साथ भारत ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन से निकलकर सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन आ गया। यह केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं था, बल्कि शासन की मानसिकता में भी परिवर्तन का संकेत था। अंग्रेजों ने पहली बार यह माना कि भारत को केवल व्यापार और कर वसूली का साधन मानकर नहीं चलाया जा सकता, बल्कि इसे अपनी प्रजा समझकर शासित करना होगा। इसी

सोच से शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, रेलवे, डाक और बिजली जैसी व्यवस्थाओं की नींव रखी गई। ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन जनता से पूरी तरह दूर था। स्थानीय राजा-नवाब और अमलदार उनके लिए महज राजस्व इकट्ठा करने के माध्यम थे। परंतु 1857 ने बता दिया कि जब तक जनमानस की भागीदारी नहीं होगी, कोई भी सत्ता स्थिर नहीं रह सकती। ब्रिटिश हुकूमत ने कंपनी को समाप्त करके सीधे सत्ता अपने हाथ में ली और भारत के साथ एक ‘प्रजा-राज्य’ का रिश्ता बनाने की कोशिश की। यही कारण है कि 1858 के बाद अंग्रेजों ने भारतीय समाज के विभिन्न पहलुओं को समझना शुरू किया।

पुरातत्व विभाग, शिक्षा आयोग, विश्वविद्यालयों की स्थापना, अस्पतालों का निर्माण, सिंचाई के लिए नहरों की खुदाई, और सबसे बढ़कर रेल व्यवस्थाकृए सब कदम केवल आधुनिकता की शुरुआत नहीं थे, बल्कि शासन की नई सोच के प्रतीक थे, आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह दौर दोहरी प्रवृत्ति का रहा। एक ओर अंग्रेजों ने भारत में आधुनिक व्यापार और उद्योग का ढांचा खड़ा किया, बैंकिंग और मुद्रा व्यवस्था को संगठित किया, रूपया आना पैसा की प्रणाली को प्रचलित किया, दूसरी ओर देसी उद्योगों का विनाश भी किया। कपड़ा उद्योग, हथकरघा और पारंपरिक शिल्प धीरे-धीरे समाप्त कर दिए गए, क्योंकि

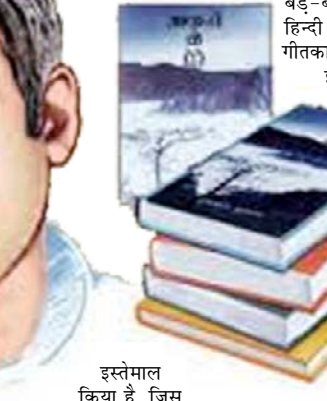
अंग्रेजों का उद्देश्य अपने कारखानों के माल को भारत में खपाना था। किसानों पर करों का बोझ बढ़ता गया और कई जगह विद्रोह हुए। लेकिन रेल, डाक और तार की सुविधा ने पूरे देश को एक आर्थिक इकाई में बदलना शुरू किया, जो बाद में स्वतंत्रता आंदोलन का बड़ा आधार बनी। सामा. जिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण था। मैकाले की शिक्षा नीति के तहत अंग्रेजी शिक्षा ने एक नया मध्यमवर्ग तैयार किया। यह वर्ग बाद में भारतीय राजनीति और समाज सुधार आंदोलनों का नेतृत्व करने वाला बना। समाचार पत्र, पत्रिकाएं और साहित्यिक आंदोलन इसी शिक्षा से उपजे। चिकित्सा के क्षेत्र में अस्पताल और आधुनिक दवाओं ने जनता का ध्यान खींचा। समाज सुधार आंदोलनोंकुसती प्रथा का उन्मूलन, विधवा विवाह की स्वीकृति, कन्या शिक्षा, अस्पृश्यता के विरुद्ध आवाज इन सबको अप्रत्यक्ष रूप से ब्रिटिश कानूनों का समर्थन मिला। सबसे बड़ा परिवर्तन राजनीतिक क्षेत्र में हुआ। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म हुआ। अंग्रेजों ने भारतीयों की राय सुनने की औपचारिकता की शुरुआत की। शुरुआत में कांग्रेस केवल प्रार्थना-धरो और मांगों तक सीमित रही, लेकिन धीरे-धीरे उसने आंदोलन का रूप ले लिया। 1919 और 1935 के गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट्स के जरिए स्थानीय सरकारों का गठन हुआ। पंचायत

हिन्दुस्तानी गजल से मशहूर हुए दुष्यंत कुमार

आज एक सितंबर है प्रसिद्ध हिंदी गजलकार दुष्यंत कुमार की जन्मदिन है। बिजनौर के राजपुर नवाब गांव में एक सितंबर 1933 में जन्मे दुष्यंत कुमार का मात्र 43 वर्ष की आयु में 30 दिसंबर 1975 को भोपाल में उनका निधन हुआ। हिंदी साहित्यकार गजलकार दुष्यंत कुमार हिंदी गजल के लिए जाने जाते हैं। वह हिंदी गजल के लिए विख्यात हैं किंतु उन्हें यह ख्याति हिंदी गजलों के लिए नहीं , हिंदुस्तानी गजलों के लिए मिली।

संसद से लेकर सड़क तक मशहूर हुए उनके शेर हिंदुस्तानी हिंदी में हैं। हिंदुस्तानी हिंदी में उन्होंने सभी प्रचलित शब्दों का इस्तेमाल किया। शब्दों को प्रचलित रूप में इस्तेमाल किया। वे अपनी पुस्तक साप में धूप की भूमिका में खुद कहते हैं गजलों को भूमिका की जरूरत नहीं होनी चाहिए, लेकिन एक कैफियत इनकी भाषा के बारे में जरूरी है। कुछ उर्दू दा दोस्तों ने कुछ उर्दू शब्दों के प्रयोग पर एतराज किया है। उनका कहना है कि शब्द ‘शहर’ नहीं ‘शह’ होता है, वजन नहीं ‘वज्ज’ होता है। कि मैं उर्दू नहीं जानता, लेकिन इन शब्दों का प्रयोग यहां अज्ञानतावश नहीं, जानबूझकर किया गया है। यह कोई

मुश्किल काम नहीं था कि शहर की जगह नगर लिखकर इस दोष से मुक्ति पा लूं, किंतु मैंने उर्दू शब्दों को उस रूप में



इस्तेमाल किया है, जिस रूप में वे हिन्दी में घुलमिल गए हैं। उर्दू का ‘शह’ हिन्दी में ‘शहर’ लिखा और बोला जाता है। ठीक उसी तरह जैसे हिन्दी का ‘ब्राह्मण’ उर्दू में ‘बिरहमन’ हो गया है और ‘ऋतु’ ‘रूत’ हो गई है। उर्दू और हिन्दी अपने अपने सिंहासन से उतरकर जब आम आदमी के बीच आती हैं तो उनमें फर्क कर पाना बड़ा मुश्किल होता है। मेरी नीयत और कोशिश

यही रही है कि इन दोनों भाषाओं को ज्यादा से ज्यादा करीब ला सकूं। इस लिए ये गजलें उस भाषा में लिखी गई हैं जिसे मैं बोलता हूं। गजल की विधा बहुत पुरानी, किंतु विधा है, जिसमें

बड़े-बड़े उर्दू महारथियों ने काव्य रचना की है। हिन्दी में भी महाकवि निराला से लेकर आज के गीतकारों और नए कवियों तक अनेक कवियों ने इस विधा को आजमाया है। गजल पर्शियन और अरबी से उर्दू में आई। गजल का मतलब है औरतों से अथवा औरतों के बारे में बातचीत करना। यह भी कहा जा सकता है कि गजल का सर्वसाधारण अर्थ है माशुक से बातचीत का माध्यम। उर्दू के साहित्यकार स्वर्गीय रघुपति सहाय ‘फिराक’ गोरखपुरी ने गजल का भावपूर्ण परिभाषा लिखी हैं। कहते हैं कि जब कोई शिकारी जंगल में कुत्तों के साथ हिरन का पीछा करता है और हिरन भागते-भागते किसी ऐसी झाड़ी में फंस जाता है जहां से वह निकल नहीं सकता, उस समय उसके कंठ से एक दर्द भरी आवाज निकलती है। उसी करून स्वर को गजल कहते हैं। इसीलिए विवशता का दिव्यतम रूप में प्रगट होना, स्वर का करूनतम हो जाना ही गजल का आदर्श है। दुष्यंत की गजलों की

खूबी है साधारण बोलचाल के शब्दों का प्रयोग, हिंदी, उर्दू के घुले मिले शब्दों का प्रयोग। चुटीले व्यंग उनकी गजल की खूबी है। वे व्यवस्था और समाज पर चोट करते हैं। ये ही उन्हें सीधे आम आदमी के दिल तक ले जाती है। उनकी यह शैली उन्हें अन्य कवियों से अलग और लोकप्रिय करती है। आम आदमी और व्यवस्था पर चोट करने वाले दुष्यंत कुमार के शेर, व्यवस्था पर चोट करते उनके शेर सड़कों से संसद तक गुंजते हैं। शायद दुष्यंत कुमार अकेले ऐसे साहित्यकार होंगे, जिसके शेर सबसे ज्यादा बार संसद में पढ़े गए हों। सभाओं में नेताओं ने उनके शेर सुनाकर व्यवस्था पर चोट की हो। सरकार को जगाने और जनचेतना का कार्य किया हो। उन्होंने हिंदी गजल भी लिखी, पर वह इतनी प्रसिद्धि नहीं पा सकी, जितनी हिंदुस्तानी हिंदी में लिखी गजल लोकप्रिय हुई।

वो आदमी नहीं है मुकम्मल बयान है, माथे पे उस के चोट का गहरा निशान है। हनुमाओं की अदाओं पे फिदा है दुनिया, इस बहकती हुई दुनिया को संभालो यारो। कैसे आकाश में सुराख नहीं हो सकता , एक पत्थर तो तबीअत से उछालो यारो। यहां तो सिर्फ गूंगू और बहरे लोग बसते हैं, खुदा जाने यहां पर किस तरह जलसा हुआ होगा, गुरो निकल पड़े हैं जब की तलाश में, सरकार को खिलाफ यह साजिश तो देखिए। पक गई हैं आदतें बातों से सर होंगी नहीं, कोई हंगामा करो ऐसे गुजर होगी नहीं। आज मेरा साथ दो वैसे मुझे मालूम है ,

सहारनपुर जनपद में बांगड़ वाला गुग्गावीर को विशेष महत्व दिया जाता है। मान्यता है कि उनकी सेवा करने से संतान प्राप्ति आर्थिक आर्थिक व स्वास्थ्य लाभ होता है संतान प्राप्ति की इच्छा पूरी होने पर लोग मकान के बाहरी भाग में दो ईंटों का नाथ बना देते हैं, इसे म्हाड़ी कहा जाता है। तिथि, त्योहार को इसमे दीप जलाया जाता है तथा गुग्गावीर को खुश करने के लिए पतल कंदूरी भी की जाती है जिसकी यहां के लोग रात्रि अखाड़ा कहते हैं। इसमें कढ़ी चावल का प्रसाद चढ़ाते हैं और रातभर गुग्गावीर का पूजन किया जाता है। गुग्गावीर का मेला इस जनपद का सबसे प्राचीन मेला माना जाता है। बताते हैं कि इसे लगते हुए करीब साढ़े तीन सौ वर्ष बीत चुके हैं। समय के साथ मेले में परिवर्तन होते रहे हैं कहा जाता है कि पहले गुग्गावीर का मेला सिर्फ म्हाड़ी पर ही लगता था जहां पर दूर से आने वाले व्यक्ति मनोकामना की पूर्ति हेतु निशान चढ़ाते थे पर अब मेला कई स्थानों पर लगता है और उनमें सबसे बड़ा मेला यहीं लगता है। अद्भुत शक्ति के कारण ही उन्हें जाहीरपीर यानि साक्षात देवता नीले घोड़े वाला और सांपों के देवता के रूप में भी मानते हैं। मुस्लिम समुदाय के लोग गोगावीर को पीर के रूप में मानते हैं। ज्ञातव्य है कि रेशमी कपड़े से सजी 24 छड़ियां एक सरदार छड़ी और धातु का बना नेजा शहर की परिक्रमा करने के बाद दशमी के दिन म्हाड़ी पर पहुंचते हैं। जहां उनके मालिक उनकी विधिवत पूजा करते हैं इसके बाद मेला शुरू हो जाता है। मेला खत्म होने के बाद छड़ियां भक्तों के घर लौट जाती हैं और हर साल यही सिलसिला जारी रहता है। इस मेले में अनेक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

सहारनपुर नगर निगम के मेयर डा. अजय कुमार के अनुसार गुघाल मेला 5 सितम्बर से शुरू होकर एक पखवाड़े तक चलेगा, जबकि छड़ी का मेला 2 सितम्बर से शुरू हो जाएगा।



जिया अब्बास जैदी

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं
मो. नं-9837776610)

तीरेश तयार

स्तर तक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था बनी और भारतीयों को प्रशासन में आंशिक भागीदारी मिली। 1937 में प्रांतीय सरकारों का गठन हुआ, जिसने भारतीय नेताओं को शासन का प्रत्यक्ष अनुभव दिया। इसी क्रम में गांधी का नेतृत्व सामने आया। असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन ने जनता को राजनीति का सक्रिय हिस्सा बना दिया। 194० में पूर्ण स्वराज की मांग ने अंग्रेजों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि अब भारत को स्वतंत्र करना ही होगा। द्वितीय विश्वयुद्ध ने ब्रिटेन की स्थिति कमजोर कर दी और अंततः 1947 में भारत स्वतंत्र हुआ। 1 सितंबर 1858 से 15 अस्त 1947 तक का यह सफर केवल सत्ता के हस्तांतरण का नहीं था, भारतीय समाज के पुनर्निर्माण और राजनीतिक चेतना के विकास की कहानी भी था। ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह ब्रिटिश राज भी शोषण पर टिकता, तो संभव था कि भारत में इतनी व्यापक राजनीतिक एकता कभी न बन पाती। लेकिन क्राउन के अधीन शासन ने शिक्षा, संचार और प्रशासन की आधुनिक नींव रखी, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को संगठित किया और भारतीय राष्ट्रवाद को जन्म दिया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अशोक नम्रूप

पत्थरों में चीख हरजिग कारगर होगी नहीं।

इन टिटुरती उंगलियों को इस लपट पर सँक लो, धूप अब घर की किसी दीवार पर होगी नहीं। सिर से सीने में कभी पेट से पांव में कभी , इक जगह हो तो कहें दर्द शेर होता है। मत कहीं आकाश में कोहरा घना है, यह किसी की व्यक्तिगत आलोचना है। यह जिम्म झुककर बोझ से दुहरा हुआ होगा, मैं सज्दे में नहीं था, आपको धोखा हुआ होगा। तुमने इस तालाब में रोहू पकड़ने के लिए, छोटी-छोटी मछलियां चारा बनाकर फँक दीं। हम हो खा लेते सुबह को भूख लगती है बहुत तुमने बासी रोटियां नाहक उठा कर फँक दीं। **गजल** हो गई है पीर पर्वत सी पिंघलनी चाहिए। अब हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए। आज यह दीवार, परसों की तरह हिलने लगी, शर्त थी लेकिन कि यह बुनियाद हिलनी चाहिए। हर सड़क पर, हर गली में , हर नगर, हर गांव में, हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए। सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि यह सूरत बदलनी चाहिए। मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही, हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं यह उनके निजी विचार हैं)

संक्षिप्त समाचार

जर्मनी में जुटे दस हजार फलस्तीन समर्थक

बर्लिन। जर्मनी के प्रमुख शहर फैंकफर्ट में शनिवार को फलस्तीन समर्थकों ने एक रैली निकाल कर अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन किया है। फैंकफर्ट अल्लोमाइन जितुंग अखबार ने बताया 'यूनाइटेड 4 गाजा' नाम से हुए इस प्रदर्शन में 10000 से ज्यादा फलस्तीन समर्थकों ने हिस्सा लिया। पहले अनुमान लगाया गया था कि इसमें 5000 तक लोग शिराकत कर सकते हैं लेकिन इस अटकल से दोगुनी भीड़ रैली में पहुंची।

अफगान के कुंदुज प्रांत में हथियार, गोला-बारूद जब्त काबुल। अफगानिस्तान में सुरक्षाकर्मियों ने उत्तरी कुंदुज प्रांत में आतंकवाद विरोधी प्रयासों के तहत पिछले तीन महीनों में दर्जनों आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद का एक बड़ा खजोरा जब्त किया है। यह जानकारी अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को दी। मंत्रालय के बयान के अनुसार, प्रांतीय राजधानी कुंदुज और आरपास के नौ जिलों में चलाए गए अभियान में 16 पिस्तौल, विभिन्न मॉडलों की सात बन्दूकें, पांच पीके मशीन गन, एक कलाशिनकोव राइफल, 15 हथगोले, 12 रॉकेट राउंड और कारतूसों तथा गोलीयों सहित बड़ी मात्रा में सैन्य उपकरण जब्त किया गया।

यूक्रेनी संसद के पूर्व अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या

कीव। यूक्रेन की संसद के पूर्व अध्यक्ष एंड्री पारुबिय की शनिवार को पश्चिमी शहर ल्वीव में गोली मारकर हत्या कर दी गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेनी अभियोजक जनरल कार्यालय ने कहा कि एक अज्ञात बंद, कुधारी ने गोलीबारी की और 54 वर्षीय राजनेता की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पुलिस संदिग्ध की तलाश कर रही है।

मोदी, पुतिन और जिनपिंग की गलबहियों से अमेरिकी मीडिया हैरान

पीएम के चीन दौरे पर वर्ल्ड मीडिया की प्रतिक्रिया: सीएनएन और एनवाईटी ने कहा: ट्रंप से नाराज जिनपिंग ताकत दिखा रहे

बीजिंग। पीएम मोदी 30 अगस्त को पूरे सात साल बाद चीन पहुंचे हैं। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की मीटिंग से पहले आज चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। जून 2020 में हुई गलवान झड़प के बाद भारत-चीन के संबंध खराब हो गए थे।

अब मोदी के इस दौरे से दोनों देशों के संबंध सुधरने की उम्मीद जताई जा रही है। मोदी के चीन दौरे को दुनियाभर का मीडिया कवर कर रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने मोदी, जिनपिंग और पुतिन की तस्वीर के साथ रिपोर्ट में लिखा है कि शी जिनपिंग के लिए इससे बेहतर मौका शायद ही कोई हो सकता था। एक तरफ भारत के मोदी हैं, जिनके देश पर राष्ट्रपति ट्रंप ने ऊंचे टैरिफ लगाए हैं। दूसरी तरफ रूस के पुतिन हैं, जिन पर

चीन ने रेड कॉर्पेट से मोदी का किया स्वागत



ट्रंप की वजह से ही पश्चिमी देशों के प्रतिबंध कमजोर पड़ते दिख रहे हैं। अखबार लिखता है कि इस पूरे आयोजन के केंद्र में जिनपिंग हैं वे भारत और अमेरिका के बीच तनाव को अपने लिए अवसर बना रहे हैं और पुतिन के साथ अपने पुराने गठबंधन को और मजबूती दे रहे हैं। यह सम्मेलन सिर्फ औपचारिक मुलाकात नहीं है। इसमें मध्य एशिया के 20 से ज्यादा नेता शामिल हो रहे हैं। इसके बाद बीजिंग में चीन अपनी नई मिसाइलों और युद्धक विमानों की सैन्य परेड भी करेगा। यह सब दर्शाता है कि शी इतिहास, कूटनीति और सेना की ताकत को मिलाकर दुनिया की उस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं जिस पर अब तक अमेरिका का दबदबा रहा है। सीएनएन ने कहा कि ट्रंप से नाराजगी के बीच, चीन में पुतिन-मोदी

भारत के अडिग रुख से बौखलाए ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत से चिढ़े हुए हैं। दरअसल वे अपने वादे के अनुसार, अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध नहीं रुकवा पाए हैं और अब उन्होंने इसका ठीकरा भारत पर फोड़ना शुरू कर दिया है।

ट्रंप का कहना है कि भारत द्वारा रूस से बड़े पैमाने पर कच्चा तेल खरीदा जा रहा है, जिससे यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषण मिल रहा है। इसी का बहाना बनाकर ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया। हालांकि उनका ये दांव भी फीका रहा और भारत पर इसका बहुत ज्यादा असर होता नहीं दिख रहा है। इससे ट्रंप लग रहा है कि और चिढ़ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब ट्रंप यूरोपीय देशों पर भी दबाव बना रहे हैं कि वे भी रूस से कच्चा तेल खरी, देने के लिए भारत पर टैरिफ लगाएं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, व्हाइट हाउस ने यूरोपीय देशों से भारत पर रूस से



अमेरिकी राष्ट्रपति अब यूरोपीय देशों से भी भारत पर नई दिल्ली पर टैरिफ लगाने को कहा

कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका जैसे प्रतिबंध लगाने को कहा है, जिसमें नई दिल्ली से खरीदे जाने वाले सभी तेल और गैस पर पूरी तरह से रोक लगाना भी शामिल है। गौरतलब है कि यूरोपीय नेता भी यूक्रेन में युद्ध समाप्त कराने के पक्ष में हैं। हालांकि जहां अमेरिका का दावा है कि भारत रूसी तेल खरीद रहा है और उससे मुनाफा कमा रहा है।

भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के खिलाफ रूस-चीन एकजुट

ब्रिक्स की मजबूती पर दिया पुतिन ने जोर

बीजिंग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन रविवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में हिस्सा लेने के लिए चीन के तियानजिन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि रूस और चीन ने ब्रिक्स देशों के सामाजिक-आर्थिक विकास में रुकावट डालने वाले भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के खिलाफ साझा रुख अपनाया है।

चीन की सरकार समाचार एजेंसी शिन्हुआ को दिए गए एक लिखित इंटरव्यू में पुतिन ने कहा कि रूस और चीन मिलकर महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। साथ ही ब्रिक्स को वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए और सक्षम बना रहे हैं। बता दें कि रूसी राष्ट्रपति की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप



कहा: रूस-चीन ने ब्रिक्स देशों के सामाजिक-आर्थिक विकास में रुकावट डालने वाले भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के प्रति साझा रुख अपनाया

ने ब्रिक्स देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ब्रिक्स में अब ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के

ट्रंप भारत से स्कूली बच्चों जैसा व्यवहार कर रहे: रिक सांचेज

राष्ट्रपति ट्रंप इतिहास से वाकिफ नहीं, अमेरिका के वरिष्ठ पत्रकार ने कसा तीखा तंज

वाशिंगटन। अमेरिका के वरिष्ठ पत्रकार रिक सांचेज ने भारत पर टैरिफ लगाने के लिए अपनी सरकार की तीखी आलाचना की है। सांचेज ने कहा है कि ट्रंप सरकार को भारत के इतिहास और उसकी अहमियत का कोई अंदाजा नहीं है और यही वजह है कि वे बिना सोचे समझे फैसले ले रहे हैं।

सांचेज ने कहा कि ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारा द्वारा यूक्रेन युद्ध को मोदी का युद्ध कहने पर कहा कि उनका बयान पर हंसा ही जा सकता है। वे कोई बहुत बुद्धिमान व्यक्ति नहीं हैं और न ही वे कोई बड़े विचारक हैं। सांचेज ने कहा कि ग्लोबल साउथ के बारे में मरे देश की समझ बहुत सीमित है। वे भारत के इतिहास, भारत और चीन के रिश्तों और रूस-यूक्रेन के रिश्तों के बारे में कुछ नहीं जानते। तभी वे मुखबतापूर्ण बयान देते हैं। नव-रूढ़िवादी, हथियार उद्योग से जुड़े लोग ट्रंप को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कहीं न कहीं ट्रंप को अहसास है कि उन्होंने गलत मोड़ ले लिया है और यही वजह

रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाने के फैसले की आलोचना करते हुए सांचेज ने कहा कि यह बेहद अहंकारी नीति



है कि ट्रंप अब ग्लोबल साउथ और यूरोपीय संघ को बराबर महत्व देते दिखाई दे रहे हैं और संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाने के ट्रंप प्रशासन के फैसले की आलोचना करते हुए सांचेज ने कहा कि यह बेहद अहंकारी नीति है। ट्रंप प्रशासन भारत से स्कूली बच्चे जैसा व्यवहार कर रहा है। लेकिन भारत कोई स्कूली बच्चा नहीं है बल्कि एक बड़ी ताकत है। भारत का एक इतिहास है, उसके पास संसाधन हैं और काफी क्षमताएं हैं। भारत ने दुनिया के लिए जो किया है, वह बेहद अहम है। भारत का वैश्विक इतिहास में योगदान यूरोप और मेसोपोटामिया से बिल्कुल भी कम नहीं है। लेकिन

जब आप उसे स्कूली बच्चा समझते हैं तो भारत अमेरिका को कहता है कि आप हमें नहीं बताएंगे कि हमें क्या करना है। यह परिवर्तनकारी समय है। इतिहासकार जब पीछे मुड़कर देखेंगे तो ये वो पल होगा, जब दुनिया की महाशक्ति अमेरिका के प्रभुत्व में कमी आनी शुरू हुई। ट्रंप प्रशासन भारत से स्कूली बच्चे जैसा व्यवहार कर रहा है। लेकिन भारत कोई स्कूली बच्चा नहीं है बल्कि एक बड़ी ताकत है। भारत का एक इतिहास है, उसके पास संसाधन हैं और काफी क्षमताएं हैं। भारत ने दुनिया के लिए जो किया है, वह बेहद अहम है। भारत का वैश्विक इतिहास में योगदान यूरोप और मेसोपोटामिया से बिल्कुल भी कम नहीं है। लेकिन

इजरायल ने दक्षिण लेबनान पर की भारी बमबारी

बेरूत। इजरायली सेना ने रविवार को दक्षिणी लेबनान में जंगी जहाज, मिसाइल और ड्रोनों की मदद से कई हमलों को अंजाम दिया। एक सैन्य सूत्र ने कहा, इजरायली युद्धक विमानों ने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में कई भारी हमले किए। उन्होंने आगे बताया कि हमले दक्षिणी शहर नबातियेह के इलाकों में कई भारी हमले किए। पुतिन ने कहा कि हमें मानवता के लाभ के लिए प्रगति चाहिए। मुझे भरोसा है कि रूस और चीन मिलकर अपने महान देशों की समृद्धि के लिए काम करते रहेंगे। इसके साथ ही पुतिन ने उम्मीद जताई कि तियानजिन में हो रहा एससीओ शिखर सम्मेलन संगठन को नई ऊर्जा देगा और एक न्यायपूर्ण, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माण में मदद करेगा।

नोबेल के लिए नॉमिनेट नहीं किया, तो भारत पर लगा टैरिफ

न्यूयॉर्क टाइम्स का दावा, ट्रंप बोले: पाक ने किया, भारत भी करे, इससे मोदी नाराज

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और अमेरिका के बीच तनाव की असल वजह ट्रंप की नोबेल प्राइज की ख्वाहिश है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रंप ने 17 जून को पीएम मोदी से फोन पर बात की थी।

इस दौरान ट्रंप ने कहा था कि उन्हें भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने पर कितना गर्व है। इसके बाद ट्रंप ने मोदी से कहा कि पाकिस्तान उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नामिनेट करने वाला है। ट्रंप ने इशारों में भारत से भी ऐसा करने को कहा। मोदी इससे नाराज हो गए थे। मोदी ने ट्रंप से साफ कह दिया कि भारत-पाक के बीच हुए

डोनाल्ड ट्रंप ने 17 जून को पीएम मोदी से फोन पर बातचीत की थी

सीजफायर से अमेरिका का कोई लेना देना नहीं है। यह भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे तौर पर हुआ है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप ने मोदी की बात को अनदेखा कर दिया, जिससे दोनों नेताओं के बीच तल्खी बढ़ गई। इसके बाद से दोनों ने कोई बात की नहीं की। यह रिपोर्ट वाशिंगटन और नई दिल्ली में एक दर्जन से ज्यादा लोगों से हुई बात की तौर पर आधारित है। इनमें से ज्यादातर ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बात की। इन लोगों ने बताया कि ट्रंप और भारत के

बीच का रिश्ता दोनों देशों के लिए बड़े असर वाला हो सकता है। ट्रंप की नीतियों से भारत-अमेरिका का रिश्ता कमजोर हो रहा है। वहीं, भारत अपनी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए कदम उठा रहा है, लेकिन इसमें उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार अमेरिका नाराज हो रहा है। अखबार लिखता है कि मोदी ने कभी ट्रंप को 'सच्चा दोस्त' कहा था, लेकिन अब उनके संबंध ठीक नहीं रहे। राष्ट्रपति कार्यालय से जुड़े लोगों के मुताबिक, मोदी को पहले बताया गया था कि ट्रंप इस साल के अंत में क्वाड समिट में हिस्सा लेने भारत आएंगे, लेकिन अब ट्रंप की भारत आने की कोई योजना नहीं है।



जकार्ता। संसद सदस्यों को दिए जाने वाले अत्यधिक भते के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारियों पर पथर फेंकता एक प्रदर्शनकारी।

यूएस टैरिफ से बचने के लिए नाइजीरिया में उत्पादन की पेशकश

लागोस। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिससे भारत का करीब 49 अरब डालर का व्यापार प्रभावित होने की आशंका है। अब नाइजीरिया ने भारत के उद्योगों के सामने एक पेशकश की है। नाइजीरिया ने उसके लागोस मुक्त क्षेत्र (एलएफजेड) में निर्माण करने की पेशकश की है। लागोस मुक्त क्षेत्र से अमेरिका और दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों तक आसान पहुंच मिलती है। एलएफजेड की प्रबंध निदेशक और सीईओ अदेसुवा लाडोजा ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय कंपनियों खासकर, कपड़ा, चमड़ा और आटोमोबाइल के लिए कड़ी चुनौती पेश की है।

गाजा पट्टी पर ताबड़तोड़ इजरायली हमले, 57 की मौत

गाजा। गाजा पट्टी में इजरा. इली हमलों में कम से कम 57 फलस्तीनी मारे गए। फलस्तीनी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

गाजा के नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि गाजा शहर में दो अपार्टमेंट और फलस्तीनियों के एक समूह को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में दो बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई। बसल ने बताया कि शहर के दक्षिण में जतिंग मोहल्ले पर इजरायली हमलों में छह लोग मारे गए। फलस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने शहर के शेष रादवान और सबरा इलाकों में आवासीय भवनों पर तड़के इजरायली छापे और बमबारी की भी सूचना दी, जिसके बीच इजरायली हेलीकॉप्टरों और ड्रोनो ने तीव्र उड़ान भरी। स्थानीय निवाशियों ने बताया कि उन्होंने जोरदार विस्फोट और तेज गोलीबारी की आवाजें सुनीं।

स्थानीय निवासियों ने बताया: उन्होंने जोरदार विस्फोट और तेज गोलीबारी की आवाजें सुनीं

बारह लोग मारे गए। उन्होंने बताया कि हवाई हमले में कई तंबू नष्ट हो गए और कुछ अन्य में आग लग गई। उन्होंने बताया कि शहर के दक्षिण में जतिंग मोहल्ले पर इजरायली हमलों में छह लोग मारे गए। फलस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने शहर के शेष रादवान और सबरा इलाकों में आवासीय भवनों पर तड़के इजरायली छापे और बमबारी की भी सूचना दी, जिसके बीच इजरायली हेलीकॉप्टरों और ड्रोनो ने तीव्र उड़ान भरी। स्थानीय निवाशियों ने बताया कि उन्होंने जोरदार विस्फोट और तेज गोलीबारी की आवाजें सुनीं।

यूक्रेन जंग पर भारत को निशाना बनाना गलत: एस. जयशंकर विदेश मंत्री ने कहा: हम बातचीत के हिमायती

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिनलैंड के विदेश मंत्री से फोन पर बातचीत में कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत को गलत तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत हमेशा शांति और बातचीत की वकालत करता रहा है।

उन्होंने एक्स पर लिखा-आज फिनलैंड के विदेश मंत्री से फोन पर बात हुई। हमने यूक्रेन जंग और इसके असर पर बात की। इस मामले में भारत को गलत तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हम बातचीत और डिप्लोमेसी के पक्ष में हैं। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर रूसी तेल खरीदी वजह से 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया है। ट्रंप का कहना है कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है, जिस



ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने की वजह से 25% टैरिफ लगाया

वजह से पुतिन को यूक्रेन जंग जारी रखने में मदद मिल रही है। भारतीय विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब पीएम मोदी एससीओ समिट में शामिल होने चीन पहुंचे हैं। यहां वो चीनी एससीओ समिट से इतर पीएम मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे।

प्रवेश सूचना-पैरामेडिकल/वोकेशनल एण्ड यूनिलर्सिटी कोर्स

10th व 12th (OPEN Board) से करें (विषय-साइंस, आर्ट, कॉमर्स)

प्रवेश- 10th हेतु- 8th पास और 10th फेल, 12th-10th पास और 12th फेल

Fresh, Part Admission & TOC Facility Available) (Exam-Oct/Nov 2025)

NIOS(शिक्षा मंत्रालय) कोर्स-DNYS, Radiology (एक्स-रे टेक.), CCH(एलोपैथिक), CAT(आयुर्वेदिक-चिकित्सा टेक.), CHD(होम्योपैथिक), ECCE(प्री-प्रैक्टिस शिक्षक हेतु), Diploma in Yoga & YTTR, CCA(कम्प्यूटर), ET (इलेक्ट्रिकल टेक.) ETC.

Contact for UGC Approved University Courses:-

Dip. in CMS&ED, DPT, DMLT, OPTOMETRY, OPHTHALMIC, OT TECH MPHWH, DENTAL TECH. & HYGIENE, RADIOLOGY & BACHELOR (IN All Paramedical), (M.SC, B.SC, B.COM, M.COM) BA/MA/PGD YOGA ETC...

श्री कृष्ण वोकेशनल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज

गांधी कॉलोनी, सेन पैथेण्ट रोड, निकट गुरुशाला, मु.नगर

M.: 8505978850, 9634519104

अब खबरें आपके मोबाइल फोन पर...

www.shahtimesnews.com

ROOP RAKSHAK

आप के रूप का रक्षक

क्या आप अपने चेहरे के मुहासों (Acne) से परेशान हैं। अपनाएं

क्या आप अपने चेहरे के दाग, धब्बे व झाड़ियों से परेशान हैं, अपनाएं

Customer Care No. 9457717311

यौन समस्याएं

यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें

डा. सम्राट

नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन केप्सूल अपफीम, चरस, डोटे पोस्ट इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।

नावल्टी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

M-9412211108